सत्र –*2022–23*

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

पाठ्यक्रम

Marking Scehme

Diploma In Performing art (D.P.A.)

Vocal/Instrumental (Non percussion)

One Year Diploma Course

PAPER	SUBJECT- VOCAL/INSTRUMENTAL (NON PERCUSSION)	MAX	MIN
1	Theory Music –Theory	100	33
2	PRACTICAL- Demonstration & viva	100	33
	GRAND TOTAL	200	66

Diploma In Performing art (D.P.A.)

Vocal/Instrumental (Nonpercussion)

One Year Diploma Course

सैद्धांतिक–प्रथम प्रश्नपत्र

समय : 3 घण्टे पूर्णांकः 100

पूर्वराग, उत्तरराग, संधिप्रकाष राग, परमेल प्रवेषक रागों की संक्षिप्त जानकारी।

1. भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति की विस्तृत जानकारी।
2. राग विस्तार में वादी, सवांदी, अनुवादी, विवादी, अल्पत्व, बहुत्व एवं न्यास स्वरों का महत्व।
3. तान एवं तोड़ो की परिभाषा, तान एवं तोड़ो में अन्तर, तानों के प्रकार।
4. मीड़, सूत, घसीट, खटका, मुर्की, जमजमा, कृंतन, गमक आदि की सामान्य जानकारी।
5. जीवन परिचयः– अमीर खुसरो, स्वामी हरिदास, तानसेन एवं राजा मानसिंह तोमर का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान
6. निम्न तालों को तालिपि में दुगनु–चौगुन सहित लेखनः– त्रिताल, एकताल, झपताल, रूपक, तीव्रा, तिलवाड़ा, दीपचन्दी, झूमरा तथा चौताल।
7. निम्नलिखित रागों का शास्त्रीय परिचयः– बिहाग, भीमपलासी, भैरवी, केदार, रामकली, मालकौंस, षुद्धकल्याण।

प्रायोगिक प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 100

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं पाठ्यक्रम के रागः–बिहाग, भीमपलासी, भैरवी, केदार, रामकली, मालकौंस, षुद्धकल्याण।

   (अ) पाठ्यक्रम के रागों में स्वरमालिका एवं लक्षणगीत का गायन (गायन के परीक्षार्थियों के लिये)।

   (ब) पाठ्यक्रम के किन्ही चार रागों में विलम्बित रचना (ख्याल) अथवा मसीतखानी गत का आलाप तानों सहित प्रदर्षन।

   (स) पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में मध्यलय रचना (ख्याल) या राजखानी गत का आलाप तानों सहित प्रदर्षन।

   (द) पाठ्यक्रम के किसी एक राग में ध्रुपद अथवा धमार, (दुगुन–चौगुन सहित) दो तराना एक भजन अथवा अपने वाद्य पर तीन ताल से पृथक अन्य ताल में एक मध्यलय रचना का तानों सहित प्रदर्षन।

2. पाठ्यक्रम के तालों को हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन–चौगन सहित प्रदर्षन।

संदर्भ ग्रंथ 1

1.	हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 1 से 6	–	पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2.	संगीत प्रवीण दर्शिका	–	श्री एल. एन. गुणे
3.	राग परिचय भाग 1 से 3	–	श्री हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव
4.	संगीत विशारद	–	श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5.	प्रभाकर प्रश्नोत्तरी	–	श्री हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव
6.	संगीत शास्त्र	–	श्री एम. बी. मराठे
7.	अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5	–	पं. श्री रामश्रय झा